भुला न पायेंगे वह बीता कल

बारिश में बैठे देख

एक एहसास अजनबी सा हुआ

वह भीगा चहरा देख

मन मे एक धड़कन कोपिल हुई

मुख योंही मुसकुरा दिया

वह भी मेरी नज़र देख शरमा दी

भीगे मुख से टपकती उसकी मुसकान

दिल मेरा बहा ले गयी

बह गयी वह भी मेरी इन पंक्तियों पर

डूबते गए हम प्यार के उस समन्दर में

भुला दुनिया भूल हर गम

प्यार नया नया एहसास

भूल न पायेंगे वह बीते पल

भुला न पायेंगे वह बीता कल